SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s 2(f) of UGC Act 1956]

SYLLABUS FOR

Bachelor of Arts

(NEP2020)

School of S.H.S.S

Department of Hindi

Effective from Academic Session

(2022-23)

Shri Guru Ram Rai University, Patel Nagar, Dehradun-248001, Uttarakhand, India

OUTCOME BASED EDUCATION

Programme outcome (POs)

Students will be able to:

PO1-अनुशासन का ज्ञान प्राप्त करें और अनुशासन के विभिन्न क्षेत्रों में उचित अकादमिक आचरण करें।
PO2-हमारे समाज में सामाजिक संरचनाओं को पहचानें।
PO3-उस संदर्भ में प्रभावी ढंग से संवाद करें जो कोई संचालित कर रहा है और सॉफ्ट कौशल विकसित करें।
PO4- बहु-विषयक पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता और सभी के लिए विकास को प्रोत्साहित करने वाली पहल में संलग्न करें।
PO5- छात्रों के बीच मुद्दों के बारे में जागरूकता विकसित करें।
PO6- शैक्षणिक अखंडता के मानदंडों का पालन करके विभिन्न मूल्य प्रणालियों को पहचानें और उनका सम्मान करें।
PO7- स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों के प्रति जागरूकता की व्याख्या।
PO8- सामाजिक और व्यवसायिक जरूरतों के साथ आजीवन सीखने के प्रति आकर्षण के द्वारा करियर में वृद्धि करें।
PO9- शिक्षार्थियों द्वारा सतत विकास के लिए नई तकनीकों, आधुनिक अवधारणाओं और कौशल विकास को अपना कर आजीवन क्षमता दिखाना।
PO10- नैतिकता और नैतिकता के गुणों के साथ अच्छी नागरिकता को आत्मसात करें,

ताकि मानव जाति की बेहतरी के लिए काम करें।
PO11-अंतःविषय ज्ञान और कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला का विकास करें ताकि मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं को समझे।
PO12-समस्या समाधान और विश्लेषण क्षमता के विकास के लिए महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मक कौशलता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता द्वारा समाज के भीतर जागरूकता और मानवता को लागू करने में सक्षम।

Program Specific Outcome (PSOs)

PSO1- साहित्य अभिव्यक्ति के सभी रूपों का विश्लेषण, व्याख्या और मूल्यांकन करके छात्र की सोच और समझने की क्षमता का विकास करता है ।
PSO2-विद्यार्थी हिंदी भाषा के लिखित व मौखिक दोनों स्वरूपों का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त करके। भाषा के मौखिक व लिखित दोनों माध्यमों के प्रभावी संचार को आत्मसात् करता है।
PSO3-साहित्य समाज का दर्पण है, समाज में जो कुछ भी घटित होता है वही साहित्य रचना का रूप लेता है, अतः जब छात्र साहित्य का अध्ययन करता है तो वह वर्तमान, भूत और भविष्य के समाज से संपर्क स्थापित करता है।
PSO4- साहित्य छात्रों को समाज को बेहतर ढंग से समझने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाने के लिए तैयार करता है।
PSO5- हिंदी साहित्य के अध्ययन से सामाजिक नैतिक राष्ट्रीय मूल्यों का निर्माण।
PSO6- हिंदी साहित्य के प्रत्येक युग में रचनाकारों ने समय - समय पर विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का वर्णन किया है, जो भारत के लोकतंत्र के विकास में सदैव सहायक सिद्ध हुई है।
PSO7-विभिन्न साहित्यकारों के विचारों को पढ़कर व समझकर स्वयं रचना करने और एक अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY
PATEL NAGAR, DEHRADUN-248001

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s (2f) of UGC Act 1956]

Fifth Board of Studies in Department of Hindi

School of Humanities and Social Science

MINUTES OF MEETING

A meeting of all the members of the Board of Studies in Hindi was held on 6th October 2022 from 11:00 am onwards at Shri Guru Ram Rai University, Pathribagh Campus Dehradun. The following members were present:

1. Dr. Sumangal Singh, Associate Professor Hindi Department, Shri Guru Ram Rai PG Collage Dehradun Uttarakhand (External Expert)
2. Prof.(Dr.)Sarswati Kala, Dean SGRR College of Humanities & Social Science. (Chairperson)
3. Dr. Kalpana Thapliyal Assist Professor Dept. of Hindi, School of Humanities & Social Science. (Convener)
4. Mrs Anjali Dabral, Assist Professor, Dept. of Hindi, School of Humanities & Social Science. (Member)

PROCEEDINGS AND RESOLUTIONS:

The members of the BOS discussed the agenda item wise, and resolutions were made accordingly

Agenda No. 1: To implement of New Education Policy (NEP) 2020 in Hindi Department from Academic Session 2022-2023 for B.A 1st and 2ed Semester

Resolutions: The external expert and internal expert drafted New Education Policy (NEP) 2020 for B.A 1st and 2ed Semester with inclusion of Major Core Paper, Miner Elective Paper, Vocational Paper and Co-Curricular courses.

Agenda No. 2: To consider and approve Program outcomes (Pos), Program specific outcomes(PSOs) Course outcomes (Cos) and Course objectives in the syllabus of B.A 1^{st} and 2^{ed} semester.

Resolutions: The Program outcomes (POs), Program specific outcomes (PSOs), Course outcomes (COs) and Course objectives in the UG 1^{st} and 2^{ed} semester course programs were discussed in detail with the External Expert and all the members resolved to approve the same with minor corrections/suggestions from the honorable external expert.

Agenda No. 3: To introduce Hindi Language and Grammar for University students as Open Elective Course [illegible] Department.

Resolutions: The board unanimously decided to introduce the open elective course from the academic session 2022-23 onwards. The course objectives and outcomes discuss with in the honorable members and experts

Agenda No. 4: Allotment and description of course code and credits toB.A1^{st} and 2^{ed} semester

Resolutions: The course codes in B.A 1^{st} and 2^{ed} semester course programs were allotted as per university norms and all the members resolved to approve course programs were as per UGC norms.

Agenda No. 5: Question paper pattern, types of question and duration of examination, allotment of marks in internal and external exams.

Resolutions:

- The members were of the view that the question paper would be as per SGRR University norms.
- It was resolved by all the members that the duration of the End term examination would be as per the guidelines issued by the Board of Examination SGRR University from time to time including the duration of Course examinations.
- Each paper would be of 100 marks 30 marks internal and 70 marks external. The distribution of mid-term and end term examination marks will be as per guidelines issued by the Board of Examination SGRR University from time to time.

Agenda No. 6: Evaluation pattern and distribution of marks

Resolutions: All the members of BOS were of the view that the evaluation pattern and distribution of marks should be at par with other subjects and should follow university norms to bring uniformity.

The meeting ended with a vote of thanks to the chair.

Dr. Sumangal Singh, Associate Professor

(External Expert)

Prof. (Dr.) Sarswati Kala

(Chairperson)

Dr. Kalpana Thapliyal

(Convener)

Mrs. Anjali

(Member)

Copy to:

1. Honorable Vice Chancellor, SGRRU :for information please
2. Registrar, SGRRU: for information please
3. Controller of Examination,SGRRU

Eligibility for admission

Any candidate who has passed the Plus Two of the Higher Secondary Board Board of Examinations in any state recognized as equivalent to the Plus Two of the Higher Secondary Board in with not less than 45%-marks in aggregate is eligible for admission, However, SC/ST, OBC and other eligible communities shall be given relaxation as per University rules.

Duration of the Programme – 3 Years

STUDY & EVALUATION SCHEME

BACHELOR OF ART (Hindi)

First Semester

S.N	Subject Code	Subject Title	Periods Per Week			Evaluation Scheme				Subject Total
						Sessional			SEE	
			L	T	P	Credit	CT	TA		
		B.A 1 Semester								
1	HINMC101	हिन्दी साहित्य का इतिहास (Core)	5	1	0	6	20	10	70	100
2	HNIME101	आदिकाल और मध्यकालीन साहित्य (Miner Elective)	5	1	0	6	20	10	70	100
3	HNIOE101	हिन्दी भाषा और व्याकरण (Open Elective)	2	0	0	2	20	10	70	100
4	HNIVC101	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर (Skill)	4	0	0	4	20	10	70	100

Second Semester

S.N	Subject Code	Subject Title	Periods Per Week			Evaluation Scheme				Subject Total
						Sessional			SEE	
			L	T	P	Credit	CT	TA		
		B.A 2 Semester								
1	HNIMC201	मध्यकालीन हिन्दी कविता (Core)	5	1	0	6	20	10	70	100
2	HNIME201	मध्यकालीन काव्य एवं कवि (Miner Elective)	5	1	0	6	20	10	70	100
3	HNIOE201	हिन्दी भाषा और व्याकरण (Open Elective)	2	0	0	2	20	10	70	100
4	HNIVC201	कार्यालय हिन्दी (Skill)	4	0	0	4	20	10	70	100
5	HNICC201	हिन्दी गद्य साहित्य (cc)	2	0	0	2	20	10	70	100

Programme Name –B.A Hindi

Course code	: HNIMC101
Course Name	: हिन्दी साहित्य का इतिहास
Semester /Year	: I

	L	T	P	C
	5	1	0	6

Course Objectives: The objectives of this course are

1- छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास के विषय में जानकारी देना।

2- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों की साहित्यिक, सामाजिक, राजनीतिक , धार्मिक, विचारधारा से छात्रों को अवगत कराना।

3- हिंदी साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिन्दी साहित्य: इतिहास लेखन: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का परिचय ।

हिन्दी साहित्य: काल विभाजन एवं नामांकरण।

इकाई-2

आदिकाल: आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश (परिधि) और साहित्यिक पृष्ठभूमि सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य व लौकिक साहित्य।

इकाई-3

भक्तिकाल: भक्तिकाल आन्दोलन के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्टभूमि, भक्ति आन्दोलन का (सम्पूर्ण) अखिल भारतीय स्वरूप निर्गुण और सगुण काव्य धाराएं और उनकी विशेषताएं व प्रमुख कवि।

इकाई-4

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि नामाकरण, विशेषताएं, रीतिकाल के प्रमुख भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)

आधुनिक काव्य धारा का परिचय (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद)

पाठय पुस्तक(Text Books)

1- हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास बाबू गुलाब राय- लक्ष्मी नारायण अग्रवाल

2- प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य- प्रो. पूरनंचन्द्र टंडन

3- हिंदी भाषा और साहित्य - ड़ॉ शिवमंगल सिंह नेगी

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- हिन्दी साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह

2- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा

3- हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

4- हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास- धीरेंद्र वर्मा

5- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी

6- हिन्दी साहित्य: उद्भभव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी

7- हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ नगेन्द्र

8- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2-हिन्दी साहित्य की प्रमुख रचनाओ के माध्यम से साहित्यिक विकास यात्रा को समझना।
CO3- आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकालीन के साहित्यिक का तुलनात्मक अध्ययन करना।
CO4-आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकालीन के सम्बन्ध में सामाजिक, राजनीति व आर्थिक परिस्थितियों का विश्लेषण।
CO5- हिन्दी साहित्य के इतिहास के आलोक में साहित्य की तर्किक स्थिति का मूंल्याकन।
CO6- हिन्दी साहित्य के इतिहास के आलोक में नवीन साहित्य के संबध का अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PO 11	PO 12	PSO 3	PSO 4	PSO 6
CO1	3	3	2	1	3	3	-	2	2	3	3	2	-	-	-
CO2	3	2	3	3	3	-	-	-	-		3	2	-	-	-

CO3	3	3		-	3	-	-	-	-				3	-	-
CO4	3	-	2	3	-	3	2	3	3				-	3	3
CO5	3	-	3	1	3	1	3	1	2	3	1	3	1	2	2
CO6	3	3	2	1	3	3	-	2	2	3	3	2	2	-	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Written Exam)**	**70**

Programme Name –B.A Hindi

Course code	: HNIME101
Course Name	: **आदिकाल और मध्यकालीन साहित्य**
Semester /Year	: I

	L	T	P	C
	5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1- छात्रों को हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकालीन साहित्य विषय में जानकारी देना।

2- हिंदी साहित्य के मध्कालीन युगों की साहित्यिक, सामाजिक, राजनीतिक , धार्मिक, विचारधारा से छात्रों को अवगत कराना।

3- हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकालीन साहित्य इतिहास के प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिन्दी साहित्य: इतिहास लेखन: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का परिचय ।

हिन्दी साहित्य: काल विभाजन एवं नामांकरण।

इकाई-2

आदिकाल: आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश (परिधि) और साहित्यिक पृष्ठभूमि सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य व लौकिक साहित्य।

इकाई-3

भक्तिकाल: भक्तिकाल आन्दोलन के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्टभूमि, भक्ति आन्दोलन का (सम्पूर्ण) अखिल भारतीय स्वरूप निर्गुण और सगुण काव्य धाराएं और उनकी विशेषताएं व प्रमुख कवि।

इकाई-4

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि नामाकरण, विशेषताएं, रीतिकाल के प्रमुख भेद (रीतिबद्‌ध, रीतिसिद्‌ध, रीतिमुक्त)

पाठय पुस्तक(Text Books)

1- हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास बाबू गुलाब राय- लक्ष्मी नारायण अग्रवाल

2- प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य- प्रो. पूरनंचन्द्र टंडन

3- हिंदी भाषा और साहित्य - डॉ शिवमंगल सिंह नेगी

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- हिन्दी साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह

2- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा

3- हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

4- हिन्दी साहित्य का वृहत्‌ इतिहास- धीरेंद्र वर्मा

5- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्‌विवेदी

6- हिन्दी साहित्य: उद्‌भभव और विकास- हजारी प्रसाद द्‌विवेदी

7- हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ नगेन्द्र

8- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2-हिन्दी साहित्य की प्रमुख रचनाओ के माध्यम से साहित्यिक विकास यात्रा को समझना ।
CO3- आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकालीन के साहित्यिक का तुलनात्मक अध्ययन करना।
CO4-आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकालीन के सम्बन्ध में सामाजिक, राजनीति व आर्थिक परिस्थितियों का विश्लेषण।
CO5- हिन्दी साहित्य के इतिहास के आलोक में साहित्य की तर्किक स्थिति का मूंल्याकन।
CO6- हिन्दी साहित्य के इतिहास के आलोक में नवीन साहित्य के संबध का अध्ययन ।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PO 11	PO 12	PSO 3	PSO 4	PSO 6
CO1	3	3	2	1	3	3	-	2	2	3	3	2	-	-	-
CO2	3	2	3	3	3	-	-	-	-		3	2	-	-	-
CO3	3	3		-	3	-	-	-	-				3	-	-
CO4	3	-	2	3	-	3	2	3	3				-	3	3

CO5	3	-	3	1	3	1	3	1	2	3	1	3	1	2	2
CO6	3	3	2	1	3	3	-	2	2	3	3	2	2	-	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Written Exam)**	**70**

Programme Name-BA

Course code	:	HNIOE101
Course Name	:	**हिन्दी भाषा और व्याकरण**
Semester /Year	:	I

	L	T	P	C
	4	-	-	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा व्याकरण की मूलभूत जानकारी प्रदान करना।

2- शुद्व हिंदी भाषा का ज्ञान प्रदान करना।

3- अनुवाद की जानकारी प्रदान करना।

4-अनुवाद से छात्रो को अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

भाषा की परिभाषा और विशेषताएं, महत्व,

व्याकरण: परिभाषा, महत्व, संज्ञा, सर्वनाम,विश्लेषण,

इकाई- 2

शब्दगत अशुद्धिया, पर्यायवाची,विलोम, अनुवाद- अग्रेंजी से हिन्दी में

इकाई-3

मुहावरे और लोकोक्तियां

अपठित गद्यांश

इकाई-4

वाक्य

वाक्य के प्रकार

वाक्यगत अशुद्धियां

पाठय पुस्तक (Text Book)

1- हिंदी का व्यवहारिक व्याकरण शास्त्र- डॉ.एस. के शर्मा

2- हिन्दी भाषा की संरचना-भोलानाथ तिवारी

3- हिन्दी भाषा विज्ञान- रामदेव त्रिपाठी

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- हिन्दी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरु

2- हिन्दी शब्दानुशासन- किशोरीदास वाजपेई

3- भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी- सुनीति कुमार चटर्जी

4- भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

5- भाषा शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

6- भाषा अधिगम- मनोरमा गुप्ता

7-भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि- मनोरमा गुप्ता

8- हिन्दी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-भाषा सम्प्रेषण की अवधारणा का ज्ञान कराना।
CO2- हिंदी भाषा के मौखिक व लिखित व्याकरण की व्याख्या करना।
CO3- हिंदी भाषा के मौखिक व लिखित व्याकरण के सिद्वांतो का अनुप्रयोग करना।
CO4- मुहावरे और लोकोक्तियो का विश्लेषण करना।
CO5- हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दगत अशुद्धियां और वाक्य का मूल्यांकन करना।
CO6- वाक्य के विभिन्न रुपो, व्याकरण का नवीन स्वरुप की जाँच करना ।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	1	2	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1		3	1	-	3	3	2		3		2	3	-	2
CO3	-		-	-	-	2	3	-		-		3	3	3	3

CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	3	1	3	1	2	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**I st internal**	**II nd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Written Exam)**	**70**

Programme Name- B.A

Course code	: HNIMC201
Course Name	: **मध्यकालीन हिन्दी कविता**
Semester /Year	: II

	L	T	P	C
	5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1- मध्यकालीन साहित्य विचारधारा का वर्णन करना।

2- मध्यकालीन कवियों की रचनाओं से विद्यार्थी को अवगत कराना।

3- मुख्य कवि की कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

मध्यकालीन कवि और कविताएं

कविताओं की विशेषताएं

इकाई-2

कबीर: ग्रन्थावली (संपादक श्याम सुन्दरदास)

माया महा ठगनी हम जानी

माया दीपक नर पंतगा

निदंक नियरे राखिए

यह तन विष की बेलरी

गुरु अमृत की खान

सतगुरु की महिमा अनन्त

जायसी: पद्मावत (नख-शिख वर्णन) संपादक रामचंद्र शुक्ल

इकाई- 2

1-सूरदास:

बिनु गोपाल बैरिन भी कूंजै

जसोदा हरि पालनै झुलावै

अविगत गति कछु कहत न आवै

2-तुलसीदास: अयोध्या काण्ड से केवट प्रंसग

इकाई-3

बिहारी: का व्यक्तित्व और कृतित्व, बिहारी की प्रासंगिकता, बिहारी की अलंकार योजना, बिहारी की भाषा

मेरी भव बाधा हरो(नायक -नायिका वर्णन)

कहत- नटत रीझत-खीजत(नायक-नायिका वर्णन)

अंग-अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह(सिख-नख वर्णन)

नहिं पराग नहि मधुर (नवरस वर्णन)

इकाई-4

घनानंद:

अति सूधो स्नेह को मार्ग

रावरे रूप की रीति अनूप

पाठय पुस्तक(Text Books)

1- मध्यकालीन हिंदी कविता -डॉ. एल. एम पाण्डे

2- कबीर ग्रंथावली-रामकिशोर शर्मा

3- सूरदास- आर्चाय रामचंद्र शुक्ल

4- बिहारी रत्नाकर-श्री जगन्नाथदास रत्नाकर

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1-कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी

2- सूफीमत साधना और साहित्य- रामपूजन तिवारी

3- जायसी- विजयदेवनारायण साही

4- सूर साहित्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी

5- कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास

6- लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी

7- कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास

8- बिहारी नव मूल्यांकन -डॉ बच्चन सिंह

9- तुलसीदास- माता प्रसाद गुप्त

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome: **CO1-**मध्यकालीन समाजिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियों को समझना।
CO2-मध्यकालीन साहित्य में निहित विभिन्न काव्यधारा की व्याख्या करना।
CO3- मध्यकालीन साहित्य के सर्गुण, सूफी व संत के समाज- सुधार दृष्टिकोण का अनुप्रयोग करना ।
CO4- मध्यकालीन साहित्य रचनाओं का विश्लेषण करना।
CO5- मध्यकालीन साहित्य में निहित विचारधारो का मूल्यांकन करना।
CO6- रीतिकालीन कवियो के विषय में तार्किक दृष्टिकोण का विकास।

CO-PO and PSO Mapping

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	2	2	3	1	1	2	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1		3	1	-	3	3	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	1	-	1	-	-	2	3	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	15 (Assignment)	15 (Writen Exam)	70

Programme Name- B.A

Course code	**: HNIME201**
Course Name	**: मध्यकालीन काव्य एंव कवि**
Semester /Year	**: II**

	L	T	P	C
	5	1	0	6

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1- मध्यकालीन साहित्य विचारधारा का वर्णन करना।

2- मध्यकालीन कवियों की रचनाओं से विद्यार्थी को अवगत कराना।

3- मुख्य कवि की कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

मध्यकालीन कवि और कविताएं

कविताओं की विशेषताएं

इकाई-2

कबीर: ग्रन्थावली (संपादक श्याम सुन्दरदास)

माया महा ठगनी हम जानी

माया दीपक नर पंतगा

निदंक नियरे राखिए

यह तन विष की बेलरी

गुरु अमृत की खान

सतगुरु की महिमा अनन्त

इकाई- 2

1-सूरदास:

बिनु गोपाल बैरिन भी कूंजै

जसोदा हरि पालनै झुलावै

अविगत गति कछु कहत न आवै

इकाई-3

बिहारी: का व्यक्तित्व और कृतित्व, बिहारी की प्रासंगिकता, बिहारी की अलंकार योजना, बिहारी की भाषा

मेरी भव बाधा हरो(नायक -नायिका वर्णन)

कहत- नटत रीझत-खीजत(नायक-नायिका वर्णन)

अंग-अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह(सिख-नख वर्णन)

इकाई-4

घनानंद:

अति सूधो स्नेह को मार्ग

रावरे रूप की रीति अनूप

पाठय पुस्तक(Text Books)

1- मध्यकालीन हिंदी कविता -डॉ. एल. एम पाण्डे

2- कबीर ग्रंथावली-रामकिशोर शर्मा

3- सूरदास- आर्चाय रामचंद्र शुक्ल

4- बिहारी रत्नाकर-श्री जगन्नाथदास रत्नाकर

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1-कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी

2- सूफीमत साधना और साहित्य- रामपूजन तिवारी

3- जायसी- विजयदेवनारायण साही

4- सूर साहित्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी

5- कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास

6- लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी

7- कबीर ग्रंथावली- श्यामसुंदर दास

8- बिहारी नव मूल्यांकन -डॉ बच्चन सिंह

9- तुलसीदास- माता प्रसाद गुप्त

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-मध्यकालीन समाजिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियों को समझना।
CO2-मध्यकालीन साहित्य में निहित विभिन्न काव्यधारा की व्याख्या करना।
CO3- मध्यकालीन साहित्य के सर्गुण, सूफी व संत के समाज- सुधार दृष्टिकोण का अनुप्रयोग करना ।
CO4- मध्यकालीन साहित्य रचनाओं का विश्लेषण करना।
CO5- मध्यकालीन साहित्य में निहित विचारधारो का मूल्यांकन करना।
CO6- रीतिकालीन कवियो के विषय में तार्किक दृष्टिकोण का विकास।

CO-PO and PSO Mapping

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	2	2	3	1	1	2	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1		3	1	-	3	3	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	1	-	1	-	-	2	3	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	15 (Assignment)	15 (Writen Exam)	70

Programme Name-BA

Course code	:	HNIOE201
Course Name	:	**हिन्दी भाषा और व्याकरण**
Semester /Year	:	II

	L	T	P	C
	4	-	-	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1-विद्यार्थियों को हिंदी भाषा व्याकरण की मूलभूत जानकारी प्रदान करना।

2- शुद्व हिंदी भाषा का ज्ञान प्रदान करना।

3- अनुवाद की जानकारी प्रदान करना।

4-अनुवाद से छात्रो को अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

भाषा की परिभाषा और विशेषताएं, महत्व,

व्याकरण: परिभाषा, महत्व, संज्ञा, सर्वनाम,विश्लेषण,

इकाई- 2

शब्दगत अशुद्धिया, पर्यायवाची,विलोम, अनुवाद- अग्रेंजी से हिन्दी में

इकाई-3

मुहावरे और लोकोक्तियां

अपठित गद्यांश

इकाई-4

वाक्य

वाक्य के प्रकार

वाक्यगत अशुद्धियां

पाठय पुस्तक (Text Book)

1- हिंदी का व्यवहारिक व्याकरण शास्त्र- डॉ.एस. के शर्मा

2- हिन्दी भाषा की संरचना-भोलानाथ तिवारी

3- हिन्दी भाषा विज्ञान- रामदेव त्रिपाठी

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- हिन्दी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरु

2- हिन्दी शब्दानुशासन- किशोरीदास वाजपेई

3- भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी- सुनीति कुमार चटर्जी

4- भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

5- भाषा शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

6- भाषा अधिगम- मनोरमा गुप्ता

7-भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि- मनोरमा गुप्ता

8- हिन्दी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome: **CO1-**भाषा सम्प्रेषण की अवधारणा का ज्ञान कराना।
CO2- हिंदी भाषा के मौखिक व लिखित व्याकरण की व्याख्या करना।
CO3- हिंदी भाषा के मौखिक व लिखित व्याकरण के सिद्वांतो का अनुप्रयोग करना।
CO4- मुहावरे और लोकोक्तियो का विश्लेषण करना।
CO5- हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दगत अशुद्धियां और वाक्य का मूल्यांकन करना।
CO6- वाक्य के विभिन्न रुपो, व्याकरण का नवीन स्वरुप की जाँच करना ।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5

CO1	3	2	3	1	1	2	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1		3	1	-	3	3	2		3		2	3	-	2
CO3	-		-	-	-	2	3	-		-		3	3	3	3
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	3	1	3	1	2	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Written Exam)**	**70**

Programme Name- BA

Course code	: HNIVC-202
Course Name	: कार्यालय हिन्दी
Semester /Year	: II

	L	T	P	C
	4	0	0	4

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1-हिंदी विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्य की मूलभूत जानकारी प्रदान करना।

2- भारतीयों को कंप्यूटर पर हिंदी कार्य करने में सक्षम बनाना।

3- कंप्यूटर पर कार्य में सक्षम होकर रोजगार प्राप्त करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

कार्यालय हिन्दी: का अभिप्राय, स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र,

कार्यालय हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध, कार्यालय हिन्दी की सम्भावनाएं, कार्यालय की सामान्य जानकारी

इकाई-2

कार्यालय पत्राचार के विविध रूप: सामान्य परिचय

कार्यालय में निगत पत्र (आदेश, आवेदन, विज्ञापन, सरकारी पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना आदि)

इकाई-3

प्रारूपण का अर्थ, प्रविधि तथा भाषा शैली

टिप्पण का स्वरूप, भाषा शैली तथा विशेषताएं

संक्षेपण का अर्थ, प्रकार, विशेषताएं

इकाई-4

कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास

कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास और भविष्य

पाठय पुस्तक(Text Books)

1- भाषा कंप्यूटर- डॉ.आर.पी.एस चौहान

2- कार्यालय हिंदी- डॉ सुमन सिंह नेगी

3- कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा-डॉ शशि कुमार

4- कार्यालय हिंदी और कम्प्यूटर-साहित्य भवन

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1-मीडिया लेखन- डॉ चंद्रप्रकाश लेखन

2-प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग- डॉ झाल्टे दंगल

3-हिंदी में सरकारी कामकाज- रामविनायक सिंह

4-प्रयोजनमूलक हिंदी -डॉ विनोद गोदरे

5-कार्यालय हिंदी में प्रयोग की दिशाएं- संपा उमा शुक्ल

6-प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप- डॉ राजेंद्र मिश्र और राकेश शर्मा

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome: CO1-हिंदी भाषा के व्यवसायिक स्वरूप का ज्ञान ।
CO2-हिंदी भाषा के कार्यालय प्रतिमानों की व्याख्या।
CO3- कार्यालय पत्राचार के विविध स्वरुपो के प्रयोग की व्यवस्था की जाँच करना।
CO4- प्रशानिक शब्दावली का विश्लेषण करना।
CO5- हिंदी भाषा के व्यवसायिक स्वरूप के विविध पहलूओ का मूल्यांकन करना।
CO6- कार्यालय हिन्दी के विविध स्वरुपो का सह सम्बंधन की जांच।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	2	2	3	1	1	2	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1		3	1	-	3	3	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	1	-	1	-	-	2	3	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlat

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Writen Exam)**	**70**

Programme Name-BA

Course code	: HNICC202
Course Name	: हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास
Semester /Year	: II

	L	T	P	C
	2	0	0	2

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1-हिंदी के विद्यार्थियों को हिंदी गध की सभी विधाओं का ज्ञान देना।

2- गद्य लेखन के लिए प्रेरित करना।

3- विभिन्न गद्य विधाओं के विश्लेषण करने में सक्षम होना।

4- विद्यार्थी विभिन्न गद्य विधाओं में कैरियर बनाने के लिए इच्छुक हो।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिन्दी गद्य: उद्‌भव और विकास

हिन्दी गद्य रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, आत्मकथा, रेखाचित्र/संस्मरण)

इकाई-2

कथा साहित्य:

प्रेमचंद- ईदगाह

यशपाल- परदा

कमलेश्वर- मलबे का आदमी

इकाई-3

निबन्ध:

रामवृक्ष बेनीपुरी- गेहूं और गुलाब

हरिशंकर परसाई- सदाचार का ताबीज

इकाई-4

महादेवी वर्मा- घीसा (रेखाचित्र)

भारतेंदु हरिश्चंद्र- अंधेर नगरी (नाटक)

निर्मल वर्मा- चीड़ो पर चांदनी (यात्रावृत्तांत)

पाठय पुस्तक(Text Book)

1- हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ- डॉ शबाना हबीब

2- रेखाचित्र- महादेवी वर्मा

3- अंधेर नगरी- भारतेंदु हरिश्चंद्र

4- चीड़ो पर चांदनी- निर्मल वर्मा

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- हिन्दी गद्य का इतिहास- रामचंद्र तिवारी
2- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
3- भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा- डॉ रामविलास शर्मा

4- हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास- सुमन राजे

5- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी

6- सामाजिक क्रांति के दस्तावेज- स. शम्भुनाथ

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome: **CO1-** हिंदी गघ के विविध स्वरुपों का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2- हिंदी गघ साहित्य के इतिहास की व्याख्या करना ।
CO3- गघ साहित्य का अनुप्रयोग करना।
CO4- गघ साहित्य के रचनाकार व रचनाओं के विश्लेषण की क्षमता का विकास।
CO5- हिंदी गघ विधाओ के विविध स्वरुपो का मूल्यांकन करना।
CO6- हिंदी गघ साहित्य के इतिहास की समाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक दृष्टिकोण से आंकलन करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**15 (Assignment)**	**15 (Writen Exam)**	**70**